प्रश्नोतर से संबंधित परिशिष्ट

परिशिष्ट 'छब्बीस'

प्रश्न सं. [क्र. 2593]

[2/3/2017]

प्रपत्र-अ

विधानसभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 2593 द्वारा श्री कैलाश जाट्व (बाईपास निर्माण)

क्र.	संभाग	मार्ग का नाम	प्रशासकीय स्वीकृति राशि	कार्यादेश की तिथि	कार्य प्रारंभ की तिथि	अनुबंधनुसार कार्य पूर्ण करने की तिथि (कुल माह)	कार्य की वर्तमान स्थिति	कार्य पूर्ण होने की संभावित तिथि	टीप
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	नरसिंहपुर	**गोटेगांव बायपास मार्ग** का निर्माण।	**प्रशासकीय स्वीकृति राशि रु. 826.29 लाख, दिनांक 01/04/2013. पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति राशि रु. 1550.28 लाख, दिनांक 30/09/2015.**	दिनांक 01/02/2014 को कार्यादेश जारी किया गया था।	05/11/2014.	17 माह की समयावधि मे दिनांक **30/06/2015** तक कार्य पूर्ण करना था,	1. चैनेज 0 से 100 तक मात्र सबग्रेड का कार्य पूर्ण। 2. चैनेज 100 से 1200 तक डी.बी.एम. + बी.सी. का कार्य पूर्ण। 3. चैनेज 1200 से 1950 तक 750 मीटर लंबाई मे लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग जबलपुर द्वारा आर.ओ.बी. का निर्माण किया जा रहा है। 4. चैनेज 1950 से 2850 एवं 3000 से 3550 तक डी.बी.एम. + बी.सी. का कार्य पूर्ण। 5. चैनेज 2580 से 3000 तक पुल 1 स्पान-15 मीटर का कार्य प्रगति पर। 6. चैनेज 3550 से 6000 एवं 6400 से 7200 तक डी.बी.एम. का कार्य प्रगति पर। 7. चैनेज 6000 से 6400 मे पुल 2 स्पान-15 मीटर का कार्य स्लेब लेवल तक पूर्ण वर्तमान मे कार्य प्रगति पर है, आर.ओ.बी. को छोडकर बायपास निर्माण का कार्य 31 मार्च 2017 तक पूर्ण होने की संभावना है।	31/03/2017.	भू अर्जन की कार्यवाही मे हुए विलम्ब के कारण मार्ग के चैनेज 100 से 3550 तक भूमि की उपलब्धता के अनुसार कार्यादेश दिनांक 01/02/2014 के उपरांत दिनांक 05/11/2014 को निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, शेष चैनेज 0 से 100, 3550 से 7200 तक की भूमि की भू अर्जन की कार्यवाही के कारण निर्माण कार्य रुका रहा, एक भूस्वामि द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर से दिनांक 06/03/2013 को स्थगन प्राप्त करने, एवं माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 11/01/2016 को स्थगन हटाया गया, इसके बाद भू अर्जन की कार्यवाही पूरी हुई एवं जुलाई 2016 मे भूमि प्राप्त हुई लेकिन वर्षा ऋतु प्रारंभ हो जाने के कारण मिट्टी का कार्य प्रारंभ नहीं किया जा सका। वर्षाऋतु समाप्ति के बाद से निर्माण कार्य प्रगति पर है, इस प्रकार कार्य मे विलम्ब का मुख्य कारण समय पर भूमि का उपलब्ध न होना एवं कुछ विलम्ब कार्य के स्कोप मे परिवर्तन के कारण भी हुआ।